आवंटन के बावजूद खाली पड़ी भूमि को चिह्नित करें : योगी

यूपी को दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए किए जा रहे कामों की हुई समीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि औद्योगिक परियोजनाओं के लिए जमीन चाहिए। ग्राम समाज की जमीन औद्योगिक विकास और एमएसएमई के लिए दी है। लैंड पूलिंग पॉलिसी को और बेहतर करने के निर्देश दिए। ऐसी भूमि जो आवंटित है, लेकिन उपयोग में नहीं है, उसे चिह्नित कर उचित निर्णय लें। सिक यूनिट की पहचान करें।

आठ महीने में 62 करोड़ पर्यटक आए : होटल/रेस्टोरेंट, ट्रांसपोर्ट, संचार, रियल एस्टेट, प्रोफेशनल सर्विस आदि में प्रदेश तेजी से तरक्की कर रहा है। अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, काशी, प्रयागराज, नैमिषारण्य महत्वपूर्ण केंद्र हैं। पर्यटकों की आमद अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। वर्तमान वर्ष में अब तक 62 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन हो चुका है। अगले वर्ष प्रयागराज महाकुंभ है। यह पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बड़ा असर डालेगा।

राज्यपाल से मिले सीएम

लखनऊ। सीएम योगी ने शुक्रवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें विवेकानंद तिवारी द्वारा लिखी किताब सनातन समागम महाकुंभ भी भेंट की। ब्यूरो

यूपी का विकास मीटर

- 2023-24 में राज्य के लिए अनुमानित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 23 लाख करोड़ के सापेक्ष 23.24 लाख करोड़
- 2023-24 में कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) लगभग 16 फीसदी, वर्तमान में 25 फीसदी का लक्ष्य
- सात वर्षों में जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से अधिक
- उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा।

(नोट-जीवीए आर्थिक उत्पादकता मीटर है जो कॉरपोरेट कंपनी, कंपनी या अन्य किसी संस्था की अर्थव्यवस्था, उत्पादक का क्षेत्र या प्रदेश में योगदान को मापता है। सीएजीआर को वार्षिक रिटर्न भी कहा जाता है। यह निवेश के रिटर्न की निवेश से तुलना करता है।)